भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
30.07.2025 के
अतारांकित प्रश्न सं. 1825 का उत्तर

उस्मानाबाद-बीड-औरंगाबाद रेल परियोजना

1825. श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकर:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) देश भर में रेल परियोजनाओं को सुचारू रूप से चलाने के लिए सरकार द्वारा उठाए गए कदमों का ब्यौरा क्या है;

(ख) केंद्र सरकार द्वारा उस्मानाबाद-बीड-औरंगाबाद रेल परियोजना सर्वेक्षण की घोषणा किस तारीख को की गई थी;

(ग) क्या इस मार्ग का सर्वेक्षण किया जा चुका है/पूरा हो चुका है, यदि हाँ, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या इस परियोजना का कार्य शुरू हो चुका है, यदि हाँ, तो उसकी वर्तमान स्थिति क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ङ) इस परियोजना के अंतर्गत अब तक किस स्तर तक कार्य पूरा हो चुका है;

(च) उक्त परियोजना के कब तक पूरा होने की संभावना है; और

(छ) उक्त परियोजना को पूरा करने के लिए सरकार द्वारा निर्धारित समय-सीमा का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (छ): रेल परियोजनाओं को लाभप्रदता, यातायात अनुमान, अंतिम छोर सम्पर्कता, अनुपलब्ध कड़ियों (अवसंरचना अभाव सहित) और वैकल्पिक मार्गों, संकुलित/संतृप्त लाइनों का संवर्धन, राज्य सरकारों, केन्द्रीय मंत्रालयों, संसद सदस्यों, अन्य जनप्रतिनिधियों द्वारा की गई मांगों, रेलवे की अपनी परिचालनिक आवश्यकताओं, सामाजिक-आर्थिक महत्वों आदि के आधार

पर स्वीकृत किया जाता है, जो चालू परियोजनाओं के थ्रो-फॉरवर्ड और निधियों की समग्र उपलब्धता पर निर्भर करता है।

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, पूरे भारतीय रेल में लगभग 6.75 लाख करोड़ रुपए की लागत वाली, 35,966 कि.मी. कुल लंबाई वाली 431 रेल अवसंरचना संबंधी परियोजनाएं (154 नई लाइन, 33 आमान परिवर्तन और 244 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई है, जिसमें से 12,769 कि.मी. लंबाई कमीशन कर दी गई है और मार्च, 2025 तक लगभग 2.91 लाख करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। कार्य की संक्षेप में स्थिति निम्नानुसार है:-

कोटि	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई नई लाइन/आमान परिवर्तन/दोहरी लाइन (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक कुल व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	154	16,142	3,036	1,45,318
आमान परिवर्तन	33	4,180	2,997	22,753
दोहरीकरण/ मल्टीट्रैकिंग	244	15,644	6,736	1,22,858
कुल	431	35,966	12,769	2,90,929

भारतीय रेल में नई लाइन, आमान परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाएं के लिए औसत वार्षिक बजट आवंटन निम्नानुसार है:

अवधि	परिव्यय
2009-14	11,527 करोड़ रुपए/वर्ष
2025-26	68,785 करोड़ रुपए (लगभग 6 गुना)

भारतीय रेल पर नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	7,599 कि.मी.	4.2 कि.मी./दिन
2014-25	34,428 कि.मी.	8.57 कि.मी./दिन (2 गुना से अधिक)

पिछले तीन वर्षों अर्थात वित्त वर्ष 2022-23, 2023-24, 2024-25 और चालू वित्त वर्ष के दौरान, देश भर में लगभग 1,90,333 करोड़ रुपए की लागत वाली कुल 9,703 किलोमीटर लंबाई वाली 237 परियोजनाएं (40 नई लाइन, 17 आमान परिवर्तन और 180 दोहरीकरण) स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार, इस अवधि के दौरान, कुल 61,462 किलोमीटर लंबाई वाले 892 सर्वेक्षण (267 नई लाइन, 11 आमान परिवर्तन और 614 दोहरीकरण) स्वीकृत किए गए हैं।

विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने के लिए उस्मानाबाद-बीड-औरंगाबाद (240 कि.मी.) के बीच नई रेल लाइन के लिए अंतिम स्थान निर्धारण सर्वेक्षण दिनांक 14.02.2025 को स्वीकृत किया गया है।

डीपीआर तैयार होने के बाद, परियोजना को स्वीकृत की मंजूरी के लिए राज्य सरकारों सहित विभिन्न हितधारकों के साथ परामर्श और आवश्यक अनुमोदनों जैसे नीति आयोग, वित्त मंत्रालय आदि से मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। चूंकि परियोजनाओं की मंजूरी एक सतत् और गतिशील प्रक्रिया है, इसलिए सटीक समय-सीमा तय नहीं की जा सकती है।

महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/आंशिक रूप से आने वाली रेल अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं को भारतीय रेल के मध्य रेलवे, दक्षिण मध्य रेलवे, पश्चिम रेलवे, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे और दक्षिण पश्चिम रेलवे क्षेत्रों के अंतर्गत आती हैं। सभी रेल परियोजनाओं का क्षेत्र-वार/वर्ष-वार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक रूप से उपलब्ध कराया जाता है।

01.04.2025 की स्थिति के अनुसार, महाराष्ट्र में पूर्णतः/आंशिक रूप से पड़ने वाली 89,780 करोड़ रुपए की लागत पर 5,098 कि.मी. कुल लंबाई वाली 38 परियोजनाएं (11 नई लाइन,

02 आमान परिवर्तन और 25 दोहरीकरण) निर्माण के चरण पर है, जिनमें से 2360 कि.मी. लंबाई को कमीशन कर दिया गया है और मार्च, 2025 तक 39,407 करोड़ रुपए का व्यय किया गया है। कार्य की स्थिति संक्षेप में निम्नानुसार है:-

योजना शीर्ष	परियोजनाओं की संख्या	कुल लंबाई (कि.मी. में)	कमीशन की गई लंबाई (कि.मी. में)	मार्च, 2025 तक व्यय (करोड़ रु. में)
नई लाइन	11	1,355	234	10,504
आमान परिवर्तन	2	609	334	4,286
दोहरीकरण/मल्टीट्रैकिंग	25	3,134	1,792	24,617
कुल	38	5,098	2,360	39,407

महाराष्ट्र राज्य में पूर्णतः/अंशतः पड़ने वाली अवसंरचना संबंधी परियोजनाओं और संरक्षा संबंधी निर्माण कार्यों के लिए बजट आबंटन निम्नानुसार है :-

अवधि	परिव्यय
2009-14	1,171 करोड़ रु. प्रति वर्ष
2025-26	23,778 करोड़ रु. (20 गुना से अधिक)

2009-14 और 2014-2025 के दौरान महाराष्ट्र राज्य में पूर्णत:/अंशतः पड़ने वाले नए रेलपथ की कमीशनिंग/बिछाने का ब्यौरा निम्नानुसार है:-

अवधि	कमीशन किए गए नए रेलपथ	नए रेलपथ की औसत कमीशनिंग
2009-14	292 कि.मी.	58.4 कि.मी. प्रति वर्ष
2014-25	2,292 कि.मी.	208.36 कि.मी. प्रति वर्ष (लगभग 4 गुना)

रेल परियोजना/ओं का पूरा होना राज्य सरकार द्वारा शीघ्र भूमि अधिग्रहण, वन विभाग के अधिकारियों द्वारा वन संबंधी स्वीकृति, बाधक जनोपयोगी सेवाओं का स्थानांतरण, विभिन्न प्राधिकरणों से सांविधिक स्वीकृतियां, क्षेत्र की भूवैज्ञानिक और स्थलाकृतिक स्थितियां,

परियोजना/ओं के क्षेत्र में कानून-व्यवस्था की स्थिति, परियोजना विशेष कार्य स्थल के लिए एक वर्ष में कार्य के महीनों की संख्या आदि जैसे विभिन्न कारकों पर निर्भर करता है। ये सभी कारक परियोजना/ओं के पूरा होने के समय और लागत को प्रभावित करते हैं।

रेल परियोजनाओं के त्वरित अनुमोदन और कार्यान्वयन के लिए सरकार द्वारा उठाए जा रहे विभिन्न कदमों में (i) गति शक्ति इकाइयां स्थापित करना (ii) परियोजनाओं की प्राथमिकता निर्धारित करना (iii) प्राथमिकता वाली परियोजनाओं पर निधियों के आबंटन में पर्याप्त वृद्धि (iv) फील्ड स्तर पर शक्तियों का प्रत्यायोजन (v) विभिन्न स्तरों पर परियोजना की प्रगति की गहन निगरानी, और (vi) शीघ्रतम भूमि अधिग्रहण, वानिकी और वन्यजीव संबंधी मंजूरियों और परियोजनाओं से संबंधित अन्य मुद्दों को सुलझाने के लिए राज्य सरकारों और संबंधित प्राधिकारियों के साथ नियमित रूप से अनुवर्ती कार्रवाई करना शामिल है। इससे वर्ष, 2014 से कमीशनिंग की दर में पर्याप्त वृद्धि हुई है।

******